संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार **CCRT Newsletter**

खण्ड 2 • अंक 3 • मार्च 2024 Volume 2 • Issue 3 • March, 2024

कला मंथन

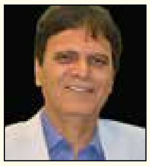

ग्रीक विद्वानों ने 'सुंदर' तथा 'सौंदर्य चेतना' का विश्लेषण करने समय 'सुंदर' के घटकों में संतुलन, नियतकालिता और प्रशांति इन गुणों का समावेश किया। खासकर सज्जा, मूर्तिकला और काव्यकला के अंतर्गत तत्त्वों के रूप में इन गुणों का विचार किया गया। आधुनिक जगत ने सौंदर्य चेतना के रोमांटिक अर्थ को विस्तारित किया। इसका परिणाम यह हुआ कि उन्मुक्तता और भावपूर्ण अभिव्यक्ति को 'सुंदर' माना गया। इसी की प्रतिक्रिया के रूप में 'असुंदर' (अग्ली) संकल्पना का भी समावेश हुआ। इस प्रकार की अनुभूति को भी परिभाषित करने का प्रयास हुआ। 'उदात्त' संकल्पना को भी 'सुंदर' के दायरे में रखा गया। इसके लिए 'महनीयता' एवं 'विशेषता' संज्ञाओं का विचार हुआ।

ग्रीक युग से आधुनिक युग तक मानव के सौदर्य-बोध की विकास यात्रा की एक लम्बी कहानी है। प्राचीन ग्रीक युग के दार्शनिकों ने सौंदर्यशास्त्र पर चिंतन किया। ये दार्शनिक कला के विषय में उदार नहीं थे। ग्रीक कवियों और दार्शनिकों का यह मानना था कि केवल वे ही प्रज्ञा के स्रोत हैं। विवाद इसी बात को लेकर हुआ। वास्तविकता यह है कि ग्रीक युग में 'दर्शन' को लेकर यह मान्यता थी कि प्रज्ञा और सत्य के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए। किन्तु इसी काल में 'काव्य' का भी अपना उद्देश्य रहा और वह यह था कि आम जनता को काव्य माध्यम से आनंद-प्राप्ति के साथ-साथ उन्हें 'शिक्षा' भी मिले। इस प्रकार दर्शनशास्त्र के प्रतिद्वंद्वी के रूप में ग्रीक युग में काव्य का पदार्पण हुआ। इस तथ्य को भी समझना आवश्यक है कि इस काल में कवियों का सामान्य नागरिकों पर बहुत प्रभाव था। कवि का स्थान दार्शनिक से ऊँचा था।

किसी वस्तु को पूर्णत: सुसंगत रूप से देखने की प्रवृत्ति यूनानियों में पहले से मौजूद थी। उन्होंने सत्य को वस्तुगत सत्य माना। उन्होंने सत्य के संबंध में यह विचार रखा कि सत्य 'शिव' और 'सुंदर' है। कोई भी वस्तु जो सत्य स्वरूप में है, उसमें शिवत्व के गुण होना आवश्यक है। यही उनकी धारणा रही। इस धारणा में सौदर्यशास्त्रीय अनुभव का दर्शन होता है। यह बात ध्यान में रखने लायक है कि यूनानियों में जितनी प्रस्तुतिकरण की कोमलता और सौदर्य की संवेदनशीलता दिखाई देती है, उतनी अन्य पाश्चात्य लोगों में दिखाई नहीं देती। उनके व्यक्तित्व में समानुपात, क्रमबद्धता एवं संतुलित शक्ति की चेतना के गुण दिखाई देते हैं। उनकी स्थापत्यकला और मूर्तिकला में यही गुण दिखाई देते हैं। उनकी काव्य रचना में, दार्शनिक बहसो में और दैनंदिन जीवन में भी इन्हीं गुणों का दर्शन होता है।

यह बात भी स्पष्ट है कि यूनानी अपने समकालीन लोगों से शारीरिक रूप से अधिक सौंदर्यवान थे। सौंदर्यनिष्ठा उनका विशेष गुण था और वे न्यायप्रिय थे। उनके काल में पुरुष और स्त्रियों के लिये अलग-अलग सौंदर्य स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता था। उस समय किसी तर्कशास्त्री (सोफिस्ट) से भी अधिक सम्मान मूर्तिकार का किया जाता था, यह बात भी जान लेना आवश्यक है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

ACTIVITIES CARRIED OUT IN THE MONTH OF MARCH 2024
मार्च 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

दसवाँ कमलादेवी चट्टोपाध्याय सांस्कृतिक महोत्सव/
THE 10th KAMALADEVI CHATTOPADHYAY CULTURAL FESTIVAL

सीसीआरटी ने 10वें कमलादेवी चट्टोपाध्याय सांस्कृतिक महोत्सव – कलाकारों एवं शिल्पकारों का मेला 2024 का भव्य आयोजन किया। 5 से 14 मार्च 2024 तक यह उत्सव सीसीआरटी मुख्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में भारतीय शिल्प कौशल और कलात्मक अभिव्यक्ति की बहुमुखी प्रतिभाओं के सम्मान में आयोजित किया गया।

Recently, CCRT, under the Ministry of Culture, Government of India, orchestrated the grandiose 10th edition of the Kamaladevi Chattopadhyay Cultural Festival - Kalakaron evam Shipkaron ka Mela 2024. Spanning from March 5 to 14, 2024, this festival unfolded at the CCRT Headquarters in Dwarka, New Delhi, commemorating the multifaceted brilliance of Indian craftsmanship and artistic expression.

कलाकारों एवं शिल्पकारों का मेला, संस्कृति हाट/KALAKARON EVAM SHILPKARON KA MELA, SANSKRITI HAAT

महोत्सव का एक उल्लेखनीय आकर्षण 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से आए 25 मास्टर शिल्पकारों की भागीदारी थी, जिनमें से प्रत्येक ने अपनी क्षेत्रीय विरासत की प्रतीक एक विशिष्ट उत्कृष्ट कृति का प्रदर्शन किया। विचारोत्तेजक जापी से लेकर चेरियल पेंटिंग की जटिल बारीकियों तक, इन कारीगरों ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करने के लिए अपने अद्वितीय कौशल और समर्पण का इस महोत्सव में प्रदर्शन किया।

इस महोत्सव ने इन कारीगरों को विभिन्न पारंपरिक कला रूपों में अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें शामिल हैं:

- माजुली और पुरुलिया छाऊ से मास्क बनाना।
- अपने जीवंत रंगों और जनजातीय रूपांकनों के लिए प्रसिद्ध गोंड पेंटिंग।
- अपने जटिल विवरण और पौराणिक विषयों के लिए प्रसिद्ध पट्टचित्र पेंटिंग।
- अपनी अनूठी कथा शैली और जीवंत रंगों के लिए प्रसिद्ध चेरियल मास्क।
- अपनी कोमलता और पौराणिक दृश्यों के चित्रण के लिए प्रसिद्ध कांगड़ा पेंटिंग।

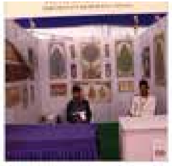
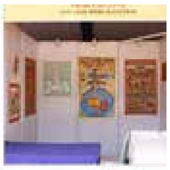

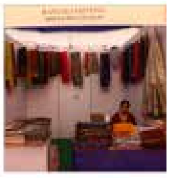
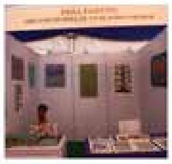
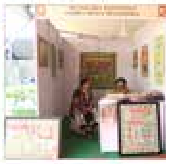

Honoring Tradition: CCRT Chairman and Shri Rajeev Kumar extend appreciation to Master Craftspersons

Ms. Smita Prasad Sarbhai, Joint Secretary, Ministry of Culture and Chairman, CCRT visiting the stalls of Master Craft Persons

- बोल्ड रंगों और रूपांकनों के माध्यम से आदिवासी जीवन के सार को दर्शाती भील पेंटिंग।
- रंगीन पाउडर का उपयोग करके जटिल पैटर्न और डिजाइन प्रदर्शित करती रंगोली पेंटिंग।
- कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में धातु की बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करती लौह कला।
- राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती मोलेला कला (टेराकोटा)।
- अपनी सादगी और ग्रामीण महाराष्ट्र में दैनिक जीवन के चित्रण के लिए प्रसिद्ध वरली पेंटिंग।
- मिट्टी के बर्तन बनाने की प्राचीन कला को प्रदर्शित करता टेराकोटा (ब्लैक पॉटरी)।
- अपनी बोल्ड रेखाओं और जीवंत रंगों की विशेषता लिए बिहार की मधुबनी पेंटिंग।
- कहानी कहने और मनोरंजन का एक पारंपरिक रूप – कठपुतली कला।
- पत्थर पर नक्काशी, उत्कृष्ट शिल्प कौशल और जटिल विवरण का प्रदर्शन।
- राजस्थान की धार्मिक कथाओं और लोक कथाओं को दर्शाती फड़ पेंटिंग।
- दक्षिणी भारत में चमड़े के कारीगरों की कलात्मकता को उजागर करती चमड़ा चित्रकारी।
- राजस्थान और गुजरात में प्रचलित फर्श पेंटिंग का एक प्राचीन रूप मांडना।
- ओडिशा से उत्पन्न एक नाजुक कला रूप पाम लीफ एनग्रेविंग।

अपने-अपने क्षेत्र में एक उत्कृष्ट कृति तैयार करने का काम करते हुए, इन मास्टर शिल्पकारों ने 25 शानदार कलाकृतियाँ भेंट कीं जो अब सीसीआरटी के हॉल और दीवारों को सुशोभित करती हैं। उत्कृष्ट 2डी पेंटिंग से लेकर विस्मयकारी 3डी मूर्तियों तक की ये मनमोहक रचनाएं, परिसर को कलात्मक भव्यता की आभा से भर देती हैं, जिससे आगंतुकों को भारत की जीवंत परंपराओं की झलक मिलती है।

A notable highlight of the festival was the participation of 25 Master Craftspersons hailing from 12 States/Union Territories, each showcasing a distinct masterpiece emblematic of their regional heritage. From the evocative Japi to the intricate nuances of Cherial Painting, these artisans illuminated the festival with their unparalleled skill and dedication to preserving India's rich cultural tapestry.

The festival provided a platform for these artisans to exhibit their expertise across a diverse array of traditional art forms, including:

- **Mask making** from Majuli and Purulia Chhau
- **Gond Painting**, celebrated for its vibrant colors and tribal motifs
- **Pattachitra Painting**, renowned for its intricate detailing and mythological themes
- **Cherial Mask**, characterized by its unique narrative style and vibrant hues
- **Kangra Painting**, famed for its delicacy and depiction of mythological scenes
- **Bhill Painting**, capturing the essence of tribal life through bold colors and motifs
- **Rangoli Painting**, showcasing intricate patterns and designs using colored powders
- **Iron Art**, showcasing the versatility of metal as a medium for artistic expression
- **Molela Art (Terracotta)**, representing the rich cultural heritage of Rajasthan
- **Warli Painting,** known for its simplicity and depiction of daily life in rural Maharashtra
- **Terracotta (Black Pottery)**, showcasing the ancient craft of pottery-making
- **Madhubani Painting**, characterized by its bold lines and vibrant colors, originating from Bihar
- **Puppetry**, a traditional form of storytelling and entertainment
- **Stone Carving**, showcasing exquisite craftsmanship and intricate detailing
- **Phad Painting**, depicting religious narratives and folk tales from Rajasthan
- **Leather Painting**, highlighting the artistry of leatherworkers in Southern India
- **Mandana**, an ancient form of floor painting practiced in Rajasthan and Gujarat
- **Palm Leaf Engraving**, a delicate art form originating from Odisha

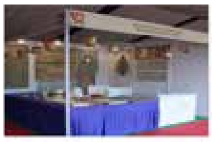

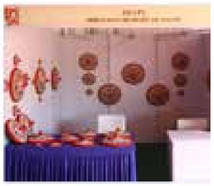

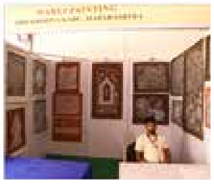

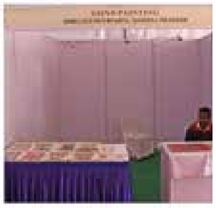

Tasked with crafting a masterpiece in their respective fields, these Master Craftspersons delivered 25 magnificent artworks that now adorn the halls and walls of CCRT. These captivating creations, ranging from exquisite 2D paintings to awe-inspiring 3D sculptures, imbue the campus with an aura of artistic splendor, offering visitors a glimpse into the vibrant living traditions of India.

पूरे आयोजन के दौरान, उपस्थित दर्शक प्रतिष्ठित कलाकारों के शानदार प्रदर्शन और नाटकीय प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हो गए, जिनमें से कई प्रतिष्ठित सीसीआरटी छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता थे।

सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर द्वारा निर्देशित एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को समर्पित 'कहानी नारी शक्ति की – द्रौपदी से द्रौपदी तक' नामक एक मार्मिक थिएटर प्रोडक्शन का प्रदर्शन किया गया। यह सम्मोहक कथा महिला सशक्तिकरण और महिला स्वतंत्रता सेनानियों की अदम्य भावना को बयान करती है जो सुश्री उमा नंदूरी और सुश्री अमिता प्रसाद साराभाई, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार जैसे दिग्गजों की सम्मानित उपस्थिति में मंचन की गई।

Throughout the event, attendees were enraptured by stellar performances and theatrical productions curated by distinguished artists, many of whom were recipients of coveted CCRT scholarships.

In homage to International Women's Day, a poignant theater production titled 'Kahani Naari Shakti Ki (Draupadi Se Draupadi Tak)', directed by Dr. Vinod Narayan Indurkar, Chairman, CCRT, took center stage. This compelling narrative, which exalted women's empowerment and the indomitable spirit of female freedom fighters, unfolded in the esteemed presence of luminaries such as Ms. Uma Nanduri and Ms. Amita Prasad Sarbhai, Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India.

राजा रवि वर्मा कला वीथिकाः द आर्ट गैलरी का अनावरण / UNVEILING THE RAJA RAVI VERMA KALA VITHIKA: THE ART GALLERY

कमलादेवी चट्टोपाध्याय सांस्कृतिक महोत्सव की शुरुआत 'राजा रवि वर्मा कला वीथिका' के अनावरण के साथ हुई। इस उत्कृष्ट प्रदर्शनी द्वारा प्रसिद्ध कलाकार राजा रवि वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिसमें ऐसी विविध प्रकार की मूर्तियां प्रदर्शित की गई, जिनमें भारतीय कलात्मक विरासत का सार समाहित था। जैसे ही उपस्थित लोगों ने वीथिका की दीवारों का अवलोकन किया, वे प्रत्येक उत्कृष्ट कृति की सुंदरता और जटिल शिल्प कौशल से मंत्रमुग्ध हो गए, जिस पर सीसीआरटी छात्रवृत्ति और फेलोशिप धारकों की अमिट छाप थी।

प्रदर्शनी की कलाकृतियों के माध्यम से सीसीआरटी छात्रवृत्ति और फेलोशिप धारकों की रचनाएँ कलात्मक उत्कृष्टता के अनुपम उदाहरण के रूप में सामने आई। सीसीआरटी की पहल से पोषित और समर्थित इन प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने दिल और आत्मा को अपनी-अपनी उत्कृष्ट कृतियों में डाल दिया, उन्हें गहन आख्यानों और प्रतीकात्मक रूपांकनों से भर दिया। एकता, शक्ति, सहानुभूति और लचीलापन जैसे विषय पूरी प्रदर्शनी में छाए रहे, जो दर्शकों को कला के माध्यम से व्याख्या किए गए मानवीय अनुभव की समृद्ध विविधता की एक झलक प्रदान करते हैं।

Cultural appreciation: Ms. Amita Prasad Sarbhai, Joint Secretary, Ministry of Culture, admires the masterpieces housed within Raja Ravi Verma Kala Vithika

मां के आलिंगन के मार्मिक प्रतीकवाद से लेकर प्रतिकूल परिस्थितियों में मानवीय भावना की जीत तक, प्रत्येक मूर्तिकला कला की परिवर्तनकारी शक्ति के प्रमाण के रूप में कार्य करती है। जैसे ही दर्शक पत्थर, धातु और मिट्टी में दर्शाए गए प्रेरक आख्यानों से रूबरू हुए, उन्हें राजा रवि वर्मा की स्थायी विरासत और सांस्कृतिक समझ और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने में कलात्मक अभिव्यक्ति की कालातीत प्रासंगिकता का परिचय मिला।

The commencement of the Kamaladevi Chattopadhyay Cultural Festival marked a momentous occasion with the unveiling of the 'Raja Ravi Verma Kala Vithika.' This exquisite exhibition served as a tribute to the legendary artist Raja Ravi Verma, showcasing a diverse array of sculptures that encapsulated the essence of Indian artistic heritage. As attendees navigated the walls of the Vithika, they were enraptured by the sheer beauty and intricate craftsmanship of each masterpiece, which bore the indelible mark of CCRT scholarship and fellowship holders.

Cultural Kaleidoscope: CCRT Comes Alive with Master Craftspersons' Traditional Paintings

Among the luminous works on display, the creations of CCRT scholarship and fellowship holders stood out as shining examples of artistic excellence. These talented individuals, nurtured and supported by CCRT's initiatives, poured their hearts and souls into their respective masterpieces, infusing them with profound narratives and symbolic motifs. Themes such as unity, power, empathy, and resilience reverberated throughout the exhibition, offering viewers a glimpse into the rich tapestry of human experience as interpreted through the lens of art.

Dr. Vinod Narayan Indurkar, Chairman, CCRT inaugurating Raja Ravi Verma Kala Vithika

From the poignant symbolism of a mother's embrace to the triumph of the human spirit at the face of adversity, each sculpture served as a testament to the transformative power of art. As onlookers immersed themselves in the evocative narratives depicted in stone, metal, and clay, they were reminded of the enduring legacy of Raja Ravi Verma and the timeless relevance of artistic expression in fostering cultural understanding and social cohesion.

सांस्कृतिक आख्यानों का सम्मान: 10वां कमलादेवी स्मृति व्याख्यान / HONORING CULTURAL NARRATIVES: THE 10TH KAMALADEVI MEMORIAL LECTURE

प्रतिष्ठित थिएटर हस्ती और कहानीकार श्रीमती मालविका जोशी ने 14 मार्च 2024 को प्रतिष्ठित '10वां कमलादेवी मेमोरियल व्याख्यान' दिया। उन्होंने "हमारी कहानियों की विरासत" विषय पर भारत की सांस्कृतिक विरासत का आधार बनने वाली प्राचीन लेकिन स्थायी कथाओं में अपनी गहन अंतर्दृष्टि से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पंचतंत्र और जातक कथाओं जैसी कालजयी क्लासिक्स से प्रेरणा लेते हुए श्रीमती जोशी ने बड़ी कुशलता से कहानियों का ऐसा ताना-बाना बुना, जो न केवल मनोरंजन करती थीं, बल्कि कालातीत ज्ञान भी प्रदान करती थीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये आख्यान सांस्कृतिक मूल्यों, नैतिक शिक्षाओं और सामाजिक मानदंडों के भंडार के रूप में काम करते हैं, जो पीढ़ियों से आगे बढ़कर समकालीन दर्शकों के साथ जुड़ते हैं।

इसके अलावा श्रीमती जोशी ने कहानी कहने की शैक्षणिक पद्धति पर प्रकाश डाला और शिक्षा में इसकी परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। कहानी कहने को पाठ्यक्रम में एकीकृत करके शिक्षक छात्रों को सांस्कृतिक विरासत की समग्र समझ प्रदान कर सकते हैं, सहानुभूति, आलोचनात्मक सोच और अपनेपन की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं। ऐसा करने से वे न केवल हमारी मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हैं बल्कि परंपरा के भावी संरक्षकों और सांस्कृतिक विविधता के प्रबंधकों का भी पोषण करते हैं।

महत्वपूर्ण रूप से श्रीमती जोशी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अधिदेशों के साथ कहानी कहने की अंतर्संबंधता को रेखांकित किया। शैक्षिक ढांचे में कला, संस्कृति और विरासत को एकीकृत करने वाले बहु-विषयक दृष्टिकोण को अपनाकर, शिक्षक छात्रों को भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता की सराहना करने के लिए सशक्त बना सकते हैं। अनुभवात्मक शिक्षा और गहन कहानी कहने के अनुभवों के माध्यम से छात्र अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए गहरी सराहना विकसित कर सकते हैं और अधिक समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की नींव रख सकते हैं।

संक्षेप में, श्रीमती मालविका जोशी के ज्ञानवर्धक व्याख्यान ने कहानी कहने की स्थायी विरासत और भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

महोत्सव के समापन समारोह में प्रसिद्ध कलाकार और अनुभवी अभिनेता श्री राजीव वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सीसीआरटी के अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर ने भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत को संरक्षित करने और प्रचारित करने में उनके अथक प्रयासों को सराहते हुए 25 मास्टर शिल्पकारों और उनके सहायक कलाकारों को सम्मानित किया।

Smt. Malavika Joshi, a distinguished theatre personality and storyteller, took center stage to deliver the prestigious 10th Kamaladevi Memorial Lecture. Under the theme "Hamari Kahaniyon ki Virasat" (The Heritage of Our Stories), Smt. Joshi captivated the audience with her profound insights into the ancient yet enduring narratives that form the bedrock of India's cultural heritage.

Drawing from timeless classics such as the Panchatantra and the Jataka Tales, Smt. Joshi masterfully wove together a tapestry of stories that not only entertained but also imparted timeless wisdom. These narratives, she emphasized, serve as repositories of cultural values, moral teachings, and societal norms, transcending generations to resonate with contemporary audiences.

Furthermore, Smt. Joshi shed light on the pedagogical methodology of storytelling, highlighting its transformative potential in education. By integrating storytelling into the curriculum, educators can provide students with a holistic understanding of cultural heritage, fostering empathy, critical thinking, and a sense of belonging. In doing so, they not only preserve our tangible and intangible cultural heritage but also nurture future custodians of tradition and stewards of cultural diversity.

Crucially, Smt. Joshi underscored the interconnectedness of storytelling with the mandates of the National Education Policy-2020. By embracing a multidisciplinary approach that integrates art, culture, and heritage into the educational framework, teachers can empower students to appreciate the richness and diversity of India's cultural tapestry. Through experiential learning and immersive storytelling experiences, students can develop a deep-seated appreciation for their cultural heritage, laying the foundation for a more inclusive and harmonious society.

In essence, Smt. Malavika Joshi's illuminating lecture served as a poignant reminder of the enduring legacy of storytelling and its pivotal role in preserving and propagating India's cultural heritage. As we reflect on her words and the profound impact of storytelling on our collective consciousness, let us reaffirm our commitment to safeguarding our cultural narratives for generations to come.

The Valedictory function of the festival was graced by the esteemed presence of Shri Rajeev Verma, a renowned artist and veteran actor. In a gesture of profound appreciation, Dr. Vinod Narayan Indurkar, Chairman, CCRT, felicitated the 25 Master Craftspersons and their accompanists, acknowledging their tireless efforts in preserving and propagating India's rich artistic heritage.

प्रशिक्षण / TRAINING

• भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (आईआईटीई), गांधीनगर, गुजरात के प्रतिभागियों द्वारा संस्थागत दौरा/ INSTITUTIONAL VISIT BY PARTICIPANTS OF INDIAN INSTITUTE OF TEACHER EDUCATION (IITE), GANDHINAGAR, GUJARAT

भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (आईआईटीई), गांधीनगर, गुजरात, ने सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), नई दिल्ली में सांस्कृतिक अन्वेषण का प्रत्यक्ष अनुभव लिया। एम.ए./एम.एससी एम.एड. के अंतिम वर्ष के 50 छात्रों ने और और तीन शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शैक्षिक पहलों की समझ और सराहना को समृद्ध करना है। प्रतिभागियों को सीसीआरटी परिसर के शैक्षिक दौरे के साथ-साथ सीसीआरटी के अधिदेश और गतिविधियों से परिचित कराया गया, जहां वे उत्कृष्ट कला और शिल्प से मंत्रमुग्ध हो गए और भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि का प्रत्यक्ष अनुभव किया। यह यात्रा शैक्षिक वृत्तचित्रों, संवाद को बढ़ावा देने और आईआईटीई छात्रों की शैक्षिक यात्रा पर स्थायी प्रभाव छोड़ने, सांस्कृतिक जागरूकता और सहयोग को बढ़ावा देने के साथ संपन्न हुई।

Participants and faculties from IITE during the Educational Visit

Indian Institute of Teacher Education (IITE), Gandhinagar, Gujarat, embarked on a cultural exploration journey to the Centre for Cultural Resources and Training (CCRT), New Delhi. Attended by 50 final year students of M.A. /M. Sc. M. Ed. and three faculties, the visit aimed to deepen understanding and appreciation of India's rich cultural heritage and educational initiatives. Participants were treated to introduction of CCRT's mandate and activities along with an educational tour of CCRT Campus, where they were captivated by the exquisite art and crafts, experiencing firsthand the richness of India's cultural heritage. The visit concluded with educational documentaries, fostering dialogue and leaving a lasting impact on the educational journey of IITE students, promoting cultural awareness and collaboration.

• झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय डीडीआर कार्यशाल / TWO DAY DDR WORKSHOP AT CENTRAL UNIVERSITY OF JHARKHAND

सीसीआरटी ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची के सहयोग से 21-22 मार्च 2024 को आजादी का अमृत महोत्सव पहल के हिस्से के रूप में 'डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपोजिटरी (डीडीआर) प्रोजेक्ट के तहत कहानियां एकत्रित करने' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। सुदूर पूर्व भाषा विभाग में, इस कार्यक्रम में प्रोफेसरों, शिक्षकों, शोध विद्वानों और छात्रों सहित 103 से अधिक उपस्थित लोगों की उत्साही भागीदारी देखी गई। सुदूर पूर्व भाषा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रवीन्द्रनाथ सरमा ने स्वतंत्रता संग्राम पर प्रकाश डाला और विशेष रूप से झारखंड में आदिवासी/स्वतंत्रता आंदोलन पर ध्यान केंद्रित किया। सीसीआरटी के उप निदेशक डॉ. राहुल कुमार ने कहानी लेखन पर व्यापक शैक्षणिक प्रचलनों पर चर्चा की, जबकि सीसीआरटी प्रशिक्षित शिक्षक श्री अजय कुमार ठाकुर ने एक व्यावहारिक सत्र का संचालन किया और डीडीआर के लिए कहानियों के दस्तावेजीकरण पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। कार्यशाला ने ऐतिहासिक आख्यानों के संरक्षण और प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए सीखने, चर्चा और व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया।

CCRT, in collaboration with the Central University of Jharkhand, Ranchi, organized a two-day workshop on 'Collecting Stories under Digital District Repository (DDR) Project' as part of the Azadi Ka Amrit Mahotsav initiative from March 21-22, 2024. Hosted at the Department of Far East Languages, the event saw enthusiastic participation from over 103 attendees, including professors, teachers, research scholars, and students. Dr. Rabindranath Sarma, Associate Professor at the Department of Far East Languages, shed light on the freedom struggle, particularly focusing on the tribal/freedom movement in Jharkhand. Dr. Rahul Kumar, Deputy Director, CCRT, conducted extensive academic exercises on story writing, while Shri Ajay Kumar Thakur, a CCRT trained teacher, led a practical session, sharing his expertise on documenting stories for DDR. The workshop provided a valuable platform for learning, discussion, and practical application, contributing significantly to the preservation and dissemination of historical narratives.

Empowering Narratives: Over 103 participants engage in discussions and activities at the CCRT-Central University workshop, contributing to historical preservation

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने के साथ-साथ छात्रवृत्ति धारकों के नवीकरण के लिए बैठक

- छात्रवृत्ति अनुभाग ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने के साथ-साथ छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए 17-18 मार्च 2024 को पटना में क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 12 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- छात्रवृत्ति अनुभाग ने वर्ष 2023-24 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज (सीटीएसएस) योजना के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश - अंडमान और निकोबार द्वीप (पोर्ट ब्लेयर) से छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर चयन समिति की बैठक का 22 मार्च 2024 को आयोजन किया। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में कुल 02 विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था।

REGIONAL SELECTION COMMITTEE MEETING UNDER CULTURAL TALENT SEARCH SCHOLARSHIP (CTSS) SCHEME FOR THE YEAR 2023-24

- Scholarship section organized the Regional Selection Committee (RSC) Meeting for the award of Scholarships under Cultural Talent Search (CTSS) Scheme for the year 2023-24 as well as the renewal of Scholarship holders at Patna from 17th to 18th March, 2024. In this meeting, total 12 Experts in different Fields were invited as a Jury member to conduct the interview/tests.
- Scholarship section organized the Virtual/Online National Level Selection Committee Meeting for the award of Scholarships under Cultural Talent Search (CTSS) Scheme for the year 2023-24 as well as the renewal of Scholarship holders from the Union Territory – Andaman & Nicobar Island (Port Blair) on 22nd March, 2024. In this meeting, total 02 Experts were invited as a Jury member to conduct the interview/tests.

जूनियर और सीनियर फेलो की मध्यावधि/अंतिम रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति की बैठक / VIRTUAL/ONLINE EXPERT COMMITTEE MEETING FOR EVALUATING THE MID-TERM/FINAL REPORTS OF JUNIOR & SENIOR FELLOWS

- फेलोशिप अनुभाग ने संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करने की योजना के तहत 07 से 12 मार्च 2024 तक जूनियर और सीनियर फेलो की मध्यावधि/अंतिम रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में मध्यावधि/अंतिम रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के लिए जूरी सदस्य के रूप में कुल 108 विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया।
- Fellowship Section organized the Virtual/Online Expert Committee Meeting for evaluating the mid-term/final reports of Junior & Senior Fellows from 07th to 12th March, 2024 under the Scheme for Award of Fellowships to Outstanding Persons in the Field of Culture. In this meeting total 108 Expert were invited as a Jury member to conduct the evaluating the mid term/final reports.

पूर्वोत्तर राष्ट्रीय नाट्य समारोह / POORVATTOAR RASHTRIYA NATYA SAMAROH

- राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) ने सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के सहयोग से 27 से 30 मार्च 2024 तक भरतमुनि नाट्यगृह, सीसीआरटी, द्वारका नई दिल्ली में पूर्वोत्तर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद श्री पी.के. मोहंती, रजिस्ट्रार, एनएसडी द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। पहले दिन की शाम का मुख्य आकर्षण पार्थ प्रतिम आचार्य द्वारा निर्देशित त्रिपुरा का बांग्ला नाटक 'सरल बार्ता' था।
- National School of Drama (NSD) in collaboration with Centre for Cultural Resources and Training (CCRT) is organizing Poorvattoar Rashtriya Natya Samaroh from 27th to 30th of March 2024 at Bharatmuni Natyagriha, CCRT, Dwarka New Delhi. Inauguration of the event commenced with lamp lighting followed by the welcome address given by Sh. P.K. Mohanty, Registrar, NSD and felicitation of CCRT officials as guests of honour. The main attraction of the first day evening was the Bangla play from Tripura titled "Saral Barta" directed by Partha Pratim Acharya.

10वां विरासत कमलादेवी उत्सव – कलाकारों एवं शिल्पकारों का मेला” 2024/10th VIRASAT KAMALADEVI FESTIVAL – KALAKARON EVAM SHILPKARON KA MELA” 2024

- सीसीआरटी ने 05 से 14 मार्च 2024 तक सीसीआरटी मुख्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में ‘10वां विरासत कमलादेवी उत्सव – कलाकारों एवं शिल्पकारों का मेला’ 2024 नामक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारकों, युवा विद्वान कलाकारों, अध्येताओं, पूर्व छात्रों और देश के विभिन्न हिस्सों से प्रख्यात संगीतकारों और थिएटर कलाकारों के समूह को इस महोत्सव में अपने प्रदर्शन का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है:
- CCRT organized CCRT organized a festival titled "10th Virasat Kamaladevi festival – Kalakaron Evam Shilpkaron ka Mela" 2024 from 05th to 14th March, 2024 at CCRT Headquarter, Dwarka, New Delhi in which CCRT Scholarship holders, Young Scholar Artistes, Fellows, Alumnis, Eminent Musicians and group of Theatre Artists were invited from different parts of the country for showcasing their performances in the above said festival, the details of which is as under:

Day-1: 05/03/2024

Day-2: 06/03/2024

Day-3: 07/03/2024

Day-4: 08/03/2024

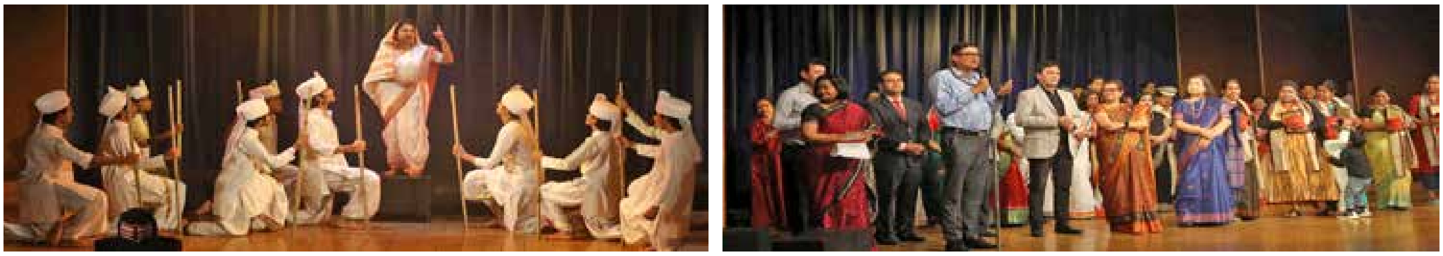

Day-5: 09/03/2024

Day-6: 10/03/2024

Day-7: 11/03/2024

Day-8: 12/03/2024

Day-9: 13/03/2024

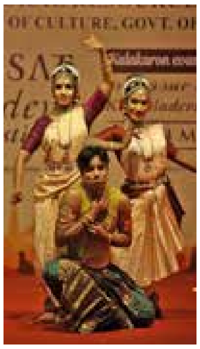

Day-10: 14/03/2024

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय सर्वोदय विद्यालय, सुल्तानपुरी, नई दिल्ली	20-22 मार्च 2024
2.	राजकीय बाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, घोंडा, नई दिल्ली	21-23 मार्च 2024
3.	राजकीय सर्वोदय विद्यालय, अमलावास, ज्वालापुरी, नई दिल्ली	26-28 मार्च 2024
4.	सर्वोदय कन्या विद्यालय, छावला, नई दिल्ली	26-28 मार्च 2024
5.	एएसओएस, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली	26-28 मार्च 2024
6.	राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सुभाष नगर, नई दिल्ली	26-28 मार्च 2024
7.	राजकीय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-15 रोहिणी, नई दिल्ली	26-28 मार्च 2024

CCRT Headquarters, New Delhi

S. No.	Venue	Duration
1.	Govt. Sarvodaya Vidhyalaya Sultanpuri, New Delhi	March 20-22, 2024
2.	Govt. Boys Sr. Sec. School, Ghonda, New Delhi	March 21-23, 2024
3.	Govt. Sarvodaya Vidayalya, Amalawas, Jawalapuri, New Delhi	March 26-28, 2024
4.	Sarvodaya Kanya Vidhyalaya Chawala, New Delhi	March 26-28, 2024
5.	ASOS, Sector-19 Dwarka, New Delhi	March 26-28, 2024
6.	Govt. Girls Sr. Sec School Subhash Nagar, New Delhi	March 26-28, 2024
7.	Govt. Co-ed Sr. Sec School, Sector-15 Rohini, New Delhi	March 26-28, 2024

क्षेत्रीय केन्द्र हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जिला परिषद हाई स्कूल, नागवरम, मंडल कीसरा, जिला मेडचल-मलकजगिरी, तेलंगाना	04-06 मार्च 2024
2.	जिला परिषद हाई स्कूल (गर्ल्स), मलकजगिरी, जिला मेडचल, तेलंगाना	11-13 मार्च 2024

Regional Centre Hyderabad:

S. No.	Venue	Duration
1.	Zilla Parishad High School, Nagawaram, MDL. Keesara, Dist. Medchal-Malkajgiri, Telangana State	March 04-06, 2024
2.	Zilla Parishad High School (Girls), Malkjgiri, Dist. Medchal, Telengana State	March 11-13, 2024

क्षेत्रीय केन्द्र उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	नेताजी सुभाषचंद्र बोस राजकीय हाई स्कूल, कटारा, उदयपुर	01-03 मार्च 2024
2.	राजकीय हाई स्कूल, मेड़ता, उदयपुर	05-07 मार्च 2024
3.	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, करेलो का गुड़ा, चिरवा, उदयपुर	05-07 मार्च 2024
4.	राजकीय हाई स्कूल, बड़गाँव, उदयपुर	11-13 मार्च 2024
5.	राजकीय हाई स्कूल, शोभागपुरा, उदयपुर	05-07 मार्च 2024
6.	राजकीय हाई स्कूल, झाड़ोल, उदयपुर	05-07 मार्च 2024
7.	राजकीय हाई स्कूल, कुराबड़, उदयपुर	14-16 मार्च 2024
8.	राजकीय हाई स्कूल, गोदाना, झाड़ोल, उदयपुर	14-16 मार्च 2024
9.	राजकीय हाई स्कूल, पहाड़ा, उदयपुर	18-20 मार्च 2024
10.	राजकीय हाई स्कूल, रेलवे ट्रेनिंग, उदयपुर	18-20 मार्च 2024
11.	राजकीय हाई स्कूल, जोताणा, झाड़ोला उदयपुर	19-21 मार्च 2024

Regional Centre Udaipur:

S. No.	Venue	Duration
1.	Netaji Subhashchander Bose Govt. High School, Katara, Udaipur	March 01-03, 2024
2.	Govt. High School, Medta, Udaipur	March 05-07, 2024
3.	Govt. Sr. Secondary School, Karelo ka Guda, Chirwa, Udaipur	March 05-07, 2024
4.	Govt. High School, Bad Gaon, Udaipur	March 11-13, 2024
5.	Govt. High School, Shobhagpura, Udaipur	March 05-07, 2024
6.	Govt. High School, Jhadol, Udaipur	March 05-07, 2024
7.	Govt. High School, Kurabad, Udaipur	March 14-16, 2024
8.	Govt. High School, Godana, Jhadol, Udaipur	March 14-16, 2024
9.	Govt. High School, Pahada, Udaipur	March 18-20, 2024
10.	Govt. High School, Railway Training, Udaipur	March 18-20, 2024
11.	Govt. High School, Jotana, Jhadola Udaipur	March 19-21, 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	नतुन फतरिल टाउन हाई स्कूल, गुवाहाटी	05-07 मार्च 2024
2.	श्री अरबिंदो विद्या मंदिर हाई स्कूल, गुवाहाटी	12, 14, 15 मार्च 2024
3.	चंपाबती हाई स्कूल, गुवाहाटी	12-14 मार्च 2024
4.	विद्या निकेतन हाई स्कूल, गुवाहाटी	13-15 मार्च 2024
5.	रधार बोरा हायर सेकेंडरी स्कूल, अजारा, गुवाहाटी	13-15 मार्च 2024
6.	पारिजात अकादमी हाई स्कूल, गुवाहाटी	19-21 मार्च 2024
7.	गलांगर नामबाड़ी हाई स्कूल, गुवाहाटी	20-22 मार्च 2024

Regional Centre Guwahati:

S. No.	Venue	Duration
1.	Natun Fataril Town High School, Guwahati	March 05-07, 2024
2.	Sri Aurobindo Vidya Mandir High School, Guwahati	March 12, 14, 15,-07, 2024
3.	Champabati High School, Guwahati	March 12-14, 2024
4.	Vidya Niketan High School, Guwahati	March 13-15, 2024
5.	Radhar Bora Higher Secondare School, Azara, Guwahati	March 13-15, 2024
6.	Parijat Academy High School, Guwahati	March 19-21, 2024
7.	Galangar Nambari High School, Guwahati	March 20-22, 2024

मार्च 2024 के महीने में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 7715 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

Total 7715 children trained under Extension Services and Community Feedback Programme in the month of March 2024.

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/REFRESHER COURSE

26 फरवरी से 01 मार्च, 2024 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद में 'शिक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण' पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम में 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 104 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

A Refresher Course on "An Integrated Approach to Education" organized at CCRT Regional Centre Hyderabad from February 26 to March 01, 2024. Total 104 teacher's participants from 11 States/UTs participated in the Course.

स्वच्छता कार्य योजना/WORKSHOP ON SWACHH BHARAT MISSION:

क्रम सं.	स्थान	अवधि	गतिविधि
1.	राजकीय सर्वोदय सह-शिक्षा विद्यालय, जाफरपुर, नई दिल्ली	13-07 मार्च 2024	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्यशाला
2.	डॉन बॉस्को आशायलम, पालम, नई दिल्ली	21-23 मार्च 2024	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्यशाला

S.No	Venue	Duration	Activity
1.	Govt. Sarvodaya Co-ed Vidayalya, Jafarpur, New Delhi	March 13-15, 2024	Workshop Swachch Bharat Mission
2.	Don Bosco Ashayalam, Palam, New Delhi	March 21-23, 2024	Workshop Swachch Bharat Mission

स्थान	अवधि	गतिविधि
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह	05 मार्च 2024	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्यशाला

Venue	Duration	Activity
CCRT Regional Centre Damoh	March 05, 2024	Workshop Swachch Bharat Mission

स्थान	अवधि	गतिविधि
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी	05-07 मार्च 2024	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्यशाला

Venue	Duration	Activity
CCRT Regional Centre Guwahati	March 05-07, 2024	Workshop Swachch Bharat Mission

स्थान	अवधि	गतिविधि
सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर	11-15 मार्च 2024	स्वच्छ भारत मिशन पर कार्यशाला

Venue	Duration	Activity
CCRT Regional Centre Udaipur	March 11-15, 2024	Workshop Swachch Bharat Mission

हिन्दी अनुभाग / HINDI SECTION

21 मार्च 2024 को मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में जनवरी-मार्च 2024 तिमाही की हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। आमंत्रित विशेषज्ञ - पत्रकार, लेखक और गीतकार श्री प्रदीप शर्मा 'खुसरो' ने 'वर्तमान समय में हिन्दी भाषा में मौलिक और सृजनात्मक लेखन' विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यशाला में मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ सभी क्षेत्रीय केंद्रों के कार्मिक (ऑनलाइन माध्यम से) भी शामिल हुए।

28 मार्च 2024 को कार्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक (जनवरी-मार्च 2024) मुख्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई । इस बैठक में मुख्यालय के अधिकारियों और अनुभाग प्रमुखों ने भाग लिया, साथ ही सभी क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारी इसमें ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। बैठक में इस तिमाही के दौरान राजभाषा से संबंधित प्रमुख गतिविधियों पर चर्चा की गई और अगली तिमाही की कार्य योजना तय की गई।

दिनांक 28 मार्च 2024 को सीसीआरटी मुख्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक (जनवरी-मार्च 2024) में निर्णय लिया गया कि कार्यालय के मासिक न्यूजलेटर को मार्च 2024 से द्विभाषी रूप में प्रकाशित किया जाए। चूंकि सीसीआरटी के दो क्षेत्रीय केंद्र 'ग' क्षेत्र में स्थित हैं और इसके जिला स्रोत व्यक्ति (DRPs) देश भर के प्रत्येक राज्य में फैले हैं तथा इसके प्रशिक्षण कार्यक्रमों में देश भर के विभिन्न स्थानों के विविध भाषा-भाषी शिक्षक-शिक्षिकाएँ भाग लेते हैं, अतः उचित ही है कि हमारे न्यूजलेटर की पहुंच और प्रासंगिकता गैर हिंदी भाषियों के बीच भी समान रूप से हो। उक्त निर्णयानुसार सीसीआरटी न्यूजलेटर अपने नए कलेवर में आपके समक्ष प्रस्तुत है।

– संपादक व हिंदी अधिकारी, सीसीआरटी

In the quarterly meeting of the Official Language Implementation Committee (January-March 2024) held on 28 March 2024 in the conference room of the CCRT Headquarters complex, it was decided that the monthly newsletter of the office should be published in bilingual form from March 2024 onwards. Since CCRT has two regional centers located in Region 'C' and its District Resource Persons (DRPs) are spread in every state across the country and its training programs are attended by teachers with diverse linguistic background from different places across the country. Therefore, it is appropriate that the reach and relevance of our newsletter should be equal among non-Hindi speakers also. As per the above decision, CCRT newsletter is presented before you in its new format.

- Editor and Hindi Officer, CCRT

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:
डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी **डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक (प्रशिक्षण) **डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक (मूल्यांकन) **श्री राजेश भटनागर**, उप निदेशक (वित्त) **श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति) **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) **श्री मनीष कुमार**, हिन्दी अधिकारी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना **श्री ओम प्रकाश शर्मा**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान **श्री निरंजन भुइयां**, परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम **श्री के.एस.एल. गणेश**, उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी

संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर